

हिंदुस्तानी संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक (बी०ए०)

षष्ठम सेमेस्टर कोर इलेक्टिव का पाठ्यक्रम

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की स्वर-वाद्य विधा (पाठ्यक्रमानुसार) का प्रगत अध्ययन कराना है।

क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रगत अध्ययन - स्वरवाद्य	BAMI(N)- 350	50	2
प्रथम खण्ड	इकाई 1- राग यमन का विस्तृत अध्ययन (आलाप, जोड़ झाला, स्वर विस्तार, मसीतखानी/विलम्बित गत, रजाखानी/द्रुत गत – पूर्ण वादन सहित, विभिन्न प्रकार की तोड़े एवं झाला, कल्याण रागांग पर आधारित रागों का ज्ञान।)			
	इकाई 2- राग भैरव का विस्तृत अध्ययन (आलाप, जोड़ झाला, स्वर विस्तार, मसीतखानी/विलम्बित गत, रजाखानी/ द्रुत गत- पूर्ण वादन सहित, विभिन्न प्रकार की तोड़े एवं झाला, भैरव रागांग पर आधारित रागों का ज्ञान।)			
	इकाई 3- तीनताल का विस्तृत अध्ययन (ठेका, ठेके का प्रकार, संगत में प्रयोग, विभिन्न प्रकार की लयकारियाँ)।			
	इकाई 4 – एकताल का विस्तृत अध्ययन (ठेका, ठेके का प्रकार, संगत में प्रयोग, विभिन्न प्रकार की लयकारियाँ)।			
	इकाई 5 – अपनी विधा से सम्बंधित संगीत वाद्य का पूर्ण ज्ञान (संरचना, रख-रखाव, वाद्य मिलाने की विधि, प्रस्तुतिकरण में प्रयोग)।			
	इकाई 6- संगीत का मानव जीवन में महत्व (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रभावना आदि पहलुओं पर आधारित)।			
2	प्रदर्शन एवं मौखिक परीक्षा III	BAMI(N)- 350	50	2
	इकाई 7 – राग यमन का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 8 – राग यमन में आलाप, जोड़-झाला एवं मसीतखानी/ विलम्बित गत तोड़ों सहित।			
	इकाई 9 - राग यमन में रजाखानी/द्रुत गत, आलाप तथा तोड़ों सहित एवं झाला।			
	इकाई 10 – राग भैरव का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11 – राग भैरव में आलाप, जोड़-झाला एवं मसीतखानी/ विलम्बित गत (तोड़ों सहित)।			
	इकाई 12 - राग भैरव में रजाखानी/द्रुत गत, आलाप तथा तोड़ों सहित एवं झाला।			
	इकाई 13- स्वर वाद्य मिलाने की ज्ञान।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम के तालों तीनताल एवं एकताल के ठेकों एवं उनको दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ लयकारी में पढ़ना।			
इकाई 15-पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।				
राग – यमन एवं भैरव	ताल – तीनताल एवं एकताल			